B.A. Part I
Paper Ist

19.10.20

लाभ की प्रकृति (Nature of profit)

लाभ की प्रकृति अर्थशास्त्रियों के लिए एक अत्यन्त पेचीदा और कठिन समस्या रही है। 19वीं शताब्दी के अन्तिम चरण में प्रोफेसर टॉसिग (Taussig) ने इसे "मिश्रित तथा विवादग्रस्त आय" (mixed and vexed income) के रूप में कहा है। यह मिश्रित आय तो इसलिए है क्योंकि यह कई स्त्रोतों से मिलकर बनती है और विवादग्रस्त इसलिए कि अर्थशास्त्री यह निर्णय नहीं कर पाते कि लाभ के किस स्त्रोत को शामिल किया जाए और किसको छोड़ा जाए। प्रो. गोरडन के अनुसार, अब भी यह "निश्चित रूप से आर्थिक सिद्धान्त के सबसे कम संतोषजनक भागों में से एक है।

प्रारंभिक क्लासिकी अर्थशास्त्री यह समझते थे कि लाभ उस पूँजीपति को प्राप्त होता है जो पूँजी देता है और व्यापार का मालिक है। वे ब्याज और लाभ में भेद नहीं करते थे। अधिक से अधिक यह होता था कि व्यापार की कुल आय में से सब आवश्यक भुगतान करने के बाद अवशेष द्वारा लाभ निर्धारित होते थे।

लाभों की प्रकृति की प्रथम व्यवस्थित व्याख्या मार्शल ने उद्यमियों की माँग और पूर्ति के रूप में की। मार्शल मानता था कि लाभ "वह औसत पारिश्रमिक है जो उद्यमियों की पर्याप्त पूर्ति को अस्तित्व में लाने तथा अस्तित्व में रखने के लिए आवश्यक है।" दीर्घकाल में एक उद्यमी केवल सामान्य लाभ ही प्राप्त कर सकता है, जोकि उत्पादन की लागत का एक भाग होते हैं। इस प्रकार लाभ मजदूरी के समान होते हैं। परंतु मार्शल द्वारा दी गई व्याख्या एकतरफा है क्योंकि वह उन साधनों की अपेक्षा करती है जो उद्यमियों के लिए माँग को निर्धारित करते हैं। वह उन ऊँचे लाभों की व्याख्या एकतरफा है क्योंकि वह उन साधनों की उपेक्षा करती है जो उद्यमियों के लिए माँग को निर्धारित करते हैं। वह उन ऊँचे लाभों की व्याख्या करने में भी असफल रहती है जो दीर्घकाल में कुछ प्रतियोगी उद्योगों में निरंतर प्राप्त होते रहते हैं और जो एकाधिकारात्मक व्यापार संस्थाओं द्वारा कमाए जाते हैं।

अमरीका के प्रोफेसर वाकर (Walker) की दृष्टि में लाभ दूसरों की अपेक्षा अधिक श्रेष्ठ योग्यता वाले उद्यमी के "उत्पादन कार्य का निश्चित प्रतिफल" (determinate return for a production function performed by

Scanned by CamScanner

an entrepreneur with a superior ~~ability~~ ability) है। उद्यमी को श्रम ~~के~~ से पृथक माना जाता है और लाभ उसकी संगठनात्मक और समन्वय स्थापित करने की क्रियाओं का पुरस्कार है। हॉले (Hawley) के अनुसार, लाभ उस जोखिम का पुरस्कार है जो उद्यमी उठाता है। जोखिम कितनी अधिक होगी, लाभ ~~की~~ भी उतना ही अधिक होगा परंतु यह विश्लेषण व्यापार-संस्थाओं के स्वामित्व और नियंत्रण को अलग कर देता है। आधुनिक बड़ी कम्पनियों में स्वामित्व हिस्सेदारों का होता है जबकि सक्रिय नियंत्रण वैतनिक प्रबंधकों के हाथ में रहता है।

क्लार्क, नाइट और शूम्पीटर के अनुसार, "लाभ वह आय है जो ~~मत्स्यात्मक~~ गत्यात्मक जगत में अन्तर्निहित परिवर्तन, अनिश्चितता और संघर्ष से उत्पन्न होती है और प्रतियोगी शक्तियों का विलंबित कार्यकरण जिसे समाप्त करने का प्रयत्न करता है।" संघर्षरहित स्थैतिक (static) जगत में, सब साधन अपने सीमान्त उत्पादन के आरोपित (imputed) मूल्य के बराबर पुरस्कार प्राप्त करते हैं, और मालिक को प्रबंधात्मकता की मजदूरी से अधिक कुछ नहीं मिलता। परंतु, गत्यात्मक जगत में संघर्ष, नवप्रवर्तन और अनिश्चितता की निरंतर पुनरावृत्ति होती रहती है, जिसके परिणामस्वरूप प्रबन्धात्मकता के सामान्य अर्जन की अपेक्षा एक आधिक्य की प्राप्ति होती है। यही वास्तविक लाभ है। लाभों की ~~प्रकृति~~ प्रकृति की यह अफलनात्मक (non-functional) व्याख्या है। एक विशेष उद्यमता के फलन के कारण नहीं, बल्कि संघर्ष (friction), नवप्रवर्तन (innovation) और अनिश्चितता (uncertainty) के कारण लाभ उत्पन्न होते हैं।

मार्क्सवादी अर्थशास्त्री वैब्लन (Veblen) तथा हॉब्सन (Hobson) लाभ को अनर्जित अनार्जित आय (unearned income) मानती हैं और मुट्ठी-भर पूंजीपतियों द्वारा स्थापित संस्थानिक एकाधिकारों (institutional monopolies) को उसका कारण। एकाधिकारात्मक लाभ इसलिए उत्पन्न होते हैं कि एकाधिकारी उत्पादन को नियंत्रित कर सकता है और उत्पादन की औसत लागत से अपनी वस्तु की बहुत ~~अधि~~ अधिक कीमत रखता है। हॉब्सन के अनुसार, प्रतियोगी स्थितियों के अन्तर्गत भी एकाधिकारात्मक तत्व उस समय खोजा जा सकता है, जबकि अपनी श्रेष्ठ सौदेबाजी की शक्ति के माध्यम से एक उद्यमी उत्पादन के अन्य साधनों का तिरस्कार करके अधिक लाभ प्राप्त करता है। इसमें काफी सच्चाई है। परंतु यह दृष्टिकोण अन्य दोनों से पूर्णतया स्वतंत्र नहीं है। लाभ के गत्यात्मक दृष्टिकोण में अनिश्चितता, नवप्रवर्तन और संघर्ष की स्थितियों की प्रकृति भी संस्थागत होती है। लाभों की प्रकृति को विस्तारपूर्वक समझने के लिए हम आगे लाभ के कुछ महत्वपूर्ण सिद्धान्तों की चर्चा कर रहे हैं।

Scanned by CamScanner